पीएमसीएच परिसर में पहले से टीओपी

पीएमसीएच परिसर में पहले से टीओपी है। इसके अलावा प्राइवेट एजेंसी के सुरक्षा गार्ड भी वहां रखे गए हैं। इसके बावजूद वहां मरीज के परिजनों व डॉक्टर या अन्य स्टाफ के बीच मारपीट या अन्य अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती रहती है। यहां जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल आम बात हो गई है।

जंक्शन और पाटलिपुत्र समेत
के सात स्टेशन 31 मार्च तक आधुनिक
स्टेशनों में शुमार होंगे। इसके बाद पूर्व मध्य
रेल के दो दर्जन से अधिक स्टेशनों को इस
योजना के तहत अपग्रेड किया जाएगा। इन
स्टेशनों पर यात्री सुविधाएं बढ़ाने के साथ
आधुनिकीकरण का काम चल रहा है। पहले

का प्रयास किया जा रहा है। इनमें
मंडल के पटना व पाटलिपुत्र, मुगलसराय
मंडल का पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन,
धनबाद मंडल का बरकाकाना, सोनपुर
मंडल के सोनपुर व हाजीपुर और समस्तीपुर
मंडल का बापूधाम मोतिहारी स्टेशन शामिल

इस योजना के तहत पूर्व मध्य रेल के सात
स्टेशनों सहित पूरे देश में 68 स्टेशनों का
चयन हुआ है, जहां सॉफ्ट आधुनिकीकरण
के तहत कार्य चल रहा है। इन कार्यों को पूरा
करने का लक्ष्य 31 मार्च रखा गया है।

भास्कर खास • लेंस, चश्मा व विभिन्न जांच की सुविधा भी मिलेगी मुफ्त, नेत्र अस्पताल का चल रहा निर्माण कार्य

1500 रुपए में करा सकेंगे मोतियाबिंद का ऑपरेशन

अजय कुमार सिंह | पटना

पैसे की कमी के चलते कोई आर्थिक दृष्टि से कमजोर मरीज अब मोतियाबिंद के ऑपरेशन से वंचित नहीं रहेंगे। प्राइवेट में मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने की चाहत रखने वाले मरीज की सर्जरी महज डेढ़ हजार रुपए में संभव हो सकेगा। इसमें ऑपरेशन के पहले तमाम तरह की जांच और ऑपरेशन के बाद लेंस और चश्मा भी मुफ्त में मिलेगा। ऑपरेशन के पहले जरूरी जांच के अलावा मरीज को कोई और जांच की जरूरत हुई तो वह भी मुफ्त में कराई जाएगी। इसके लिए अलग से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यानी 15 सौ रुपए के पैकेज में मोतियाबिंद का ऑपरेशन हो जाएगा। मोतियाबिंद का ऑपरेशन करने वाले शहर के चर्चित डॉक्टर होंगे। यह सुविधा इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी (बिहार) उपलब्ध कराने जा रहा है। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी का नेत्र अस्पताल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं। नेत्र अस्पताल की सुविधा फरवरी के अंत से मिलने की उम्मीद की जा रही है। नेत्र अस्पताल की व्यवस्था रेडक्रॉस सोसाइटी ब्लड बैंक से हुई आय से कर रहा है। इसके लिए बाहर से कोई फंड नहीं लिया गया है। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी नेत्र अस्पताल में जो डॉक्टर मोतियाबिंद का ऑपरेशन करेंगे। उनमें वरीय नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुभाष प्रसाद, डॉ. रंजना कुमार, डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. भारद्वाज, डॉ. सत्यजीत आदि के नाम शामिल है। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, बिहार के अध्यक्ष डॉ. विनय बहादुर सिन्हा के मुताबिक यह सुविधा गांव के लोगों तक पहुंचे इसके लिए गांव में स्क्रीनिंग अभियान चलाया जाएगा। वहां मोतियाबिंद के मरीज चिह्नित किए जाएंगे और नेत्र अस्पताल में आकर ऑपरेशन कराने की सलाह दी जाएगी। जो मरीज दूर से आएंगे और उसी दिन लौट नहीं सकते। उन्हें एक दिन रहने की भी सुविधा बहाल की जाएगी।

गरीबों का मुफ्त में होगा ऑपरेशन : इतना ही नहीं जो मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए डेढ़ हजार रुपए भी देने में असमर्थ होंगे उन्हें मुफ्त में मोतियाबिंद का ऑपरेशन संभव कराया जाएगा। मकसद है लोग मोतियाबिंद के चलते अंधापन दर्द न झेले। डॉ. सिन्हा की मानें तो गांवों में अभी लोग पैसे के चलते मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने नहीं आते या फिर उन्हें मुफ्त में मिलने वाली चिकित्सकीय सुविधाओं की जानकारी नहीं होती। इसलिए ऐसी सुविधाओं के लिए प्रचार अभियान चलाया जाएगा और आंखों की स्क्रीनिंग भी कराई जाएगी। जिससे लोग मोतियाबिंद की परेशानी से उन्हें निजात दिलाई जा सके। ऑपरेशन के बाद मरीज का फॉलोअप भी करने की व्यवस्था की जाएगी। इस सुविधा को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाएगा। जिससे इस योजना के लाभार्थियों को इसका लाभ मिल सके।

22 से 32 हजार तक प्राइवेट में खर्च | डॉ. सिन्हा की मानें तो प्राइवेट में अभी भी मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए 22 हजार से 32 हजार रुपए खर्च होते हैं। खर्च सुविधाओं पर भी निर्भर करता है। नेत्र अस्पताल स्थापित हो जाने के बाद यहां आई बैंक खोलने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जिससे यहां कोर्निया ट्रांसप्लांट की व्यवस्था की जा सके। इसके लिए पहले लोगों को नेत्रदान करने के लिए जागरूक किया जाएगा। जिससे अधिक से अधिक लोग नेत्रदान के लिए आगे आएं। नेत्रदान के लिए प्लेज फार्म (शपथ पत्र) भी भरवाया जाएगा।

चांपयन को 3 करोड़ रुपए और रनरअप को 1.5 करोड़ रुपए मिले।

काम किया था।